राजनीतिक दल और दबाव समूह

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
21	राजनीतिक दल और दबाव समूह	आत्म बोध, समानुभूति, समस्या समाधान, प्रभावशाली सम्प्रेषण, टीम भावना	राजनीतिक दल और दबाव समूह का अर्थ, आवश्यकता और महत्व को समझना

अर्थ

राजनीतिक दल नागरिकों का एक संगठित समूह होता है जिनकी राजनीतिक विचार धारा एक जैसी होती है तथा वह चुनाव के माध्यम से सत्ता प्राप्त कर अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना चाहता है।

कार्य

- चुनाव के लिये उम्मीदवार नामजद करना
- देश के हित के लिये नीतियाँ और कार्यक्रम तैयार करना
- बहुमत प्राप्त करना तथा देश का शासन चलाना
- विपक्ष की भूमिका निभाना

भारत में दलीय प्रणाली

भारत में बहुदलीय प्रणाली है इसका अर्थ है दो से अधिक राजनीतिक दलों का होना। दुनिया में कई देशों में एक दलीय या द्विदलीय प्रणाली पायी जाती है।

भारत में दो प्रकार के राजनीतिक दल पाये जाते हैं-

- राष्ट्रीय राजनीतिक दल ऐसे दल होते हैं जिनका प्रभाव देश के ज्यादातर भागों में होता है। ऐसा दल जिसने चार राज्यों में कम से कम चार प्रतिशत मत प्राप्त किए हों राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलाता है। भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय साम्यवादी दल, भारतीय साम्यवादी दल (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी को वर्तमान समय में राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त है।
- **क्षेत्रीय राजनीतिक दल** - किसी एक राज्य या क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले राजनीतिक दल को चुनाव आयोग क्षेत्रीय दल के रूप में मान्यता देता है। कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक दल इस प्रकार से है, फॉरवार्ड ब्लाक (प. बंगाल), ए.आई.ए.डी.एम. के (तमिलनाडु), नेशनल कान्फ्रेंस (जम्मू और काश्मीर), राष्ट्रीय जनता दल (बिहार) समाजवादी पार्टी (उत्तर प्रदेश), शिरोमणि अकाली दल (पंजाब) आदि

विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियां

- **भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस** – काँग्रेस पार्टी लोकतंत्र, पंथ–निरपेक्षता तथा समाजवाद के प्रति वचनबद्ध है। यह निजीकरण, उदारीकरण व वैश्वीकरण को स्वीकार करती है, समाज कल्याण तथा स्थानीय स्तर की संस्थाओं को मजबूत व सशक्त करना चाहती है।
- **भारतीय जनता पार्टी** – यह पार्टी राष्ट्रवाद तथा राष्ट्रीय एकीकरण, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ निरपेक्षता, गाँधी वादी, समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति में विश्वास रखती है।
- **भारतीय साम्यवादी दल और सी. पी. एम.** – ये दोनो ही दल समाजवाद, उद्योगों पर सामाजिक स्वामित्व, कृषि सुधार, ग्रामोत्थान तथा आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को अपने आधारभूत सिद्धान्त व उद्देश्य मानते हैं।
- **बहुजन समाज पार्टी** – 1984 में गठित यह पार्टी भारत के वंचित वर्गो विशेषकर गरीब, भूमिहीन, बेरोजगार और दलितों का प्रतिनिधित्व करती है। यह पार्टी साहूजी महाराज, ज्योतिबा फूले, रामास्वामी नायकर और डा. भीम राव अम्बेडकर के विचारों से प्रेरणा लेती है।

दबाव समूह और हित समूह

हित समूह लोगों के वे संगठित समूह होते है जो उनके हितो की रक्षा और बढ़ावा देने के लिये कार्य करते है जिनकी प्राप्ति के लिये वे संगठित व एकजुट होते हैं।

सामान्यत: हित समूह और दबाव समूह को एक ही मान लिया जाता है लेकिन ऐसा है नहीं। दबाव समूह ऐसा हित समूह है जो अपने हितों की पूर्ति के लिये सरकार व राजनीतिक व्यवस्था पर दबाव डालता है। कुछ दबाव समूह इस प्रकार हैं– आर्य प्रतिनिधि सभा, सनातन धर्म सभा, किसान यूनियन, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन। दबाव समूह और हित समूह से भिन्न राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं तथा सत्ता प्राप्त कर अपनी राजनीतिक विचारधारा को फैलाना चाहते हैं।

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. राजनीतिक दल को परिभाषित कीजिए। भारत के कोई दो राष्ट्रीय तथा दो क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के नाम बताइये।

प्र. राजनीतिक दल क्यों आवश्यक हैं?

प्र. राजनीतिक दल, दबाव समूह अथवा हित समूह से किस प्रकार भिन्न होता है?